बीएचईएल ने नवाचार के माध्यम से परियोजना निष्पादन में तेजी लाई

नई दिल्ली, 4 दिसंबर: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) द्वारा परियोजनाओं के निष्पादन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के अपने उद्देश्य से, एनटीपीसी के लिये ईपीसी के आधार पर निष्पादित की जा रही 3x660 मेगावाट उत्तरी करनपुरा थर्मल पावर परियोजना में कोयला आधारित थर्मल इकाइयों हेतु एक "**अभिनव बॉयलर सफाई प्रक्रिया**" को क्रियांवित किया है।

इस प्रक्रिया में एक सहायक बॉयलर का प्रयोग करके, मुख्य बॉयलर को बिना लाइट-अप किए सफलतापूर्वक 'बायलर एसिड क्लिनिंग' पूरा कर बॉयलर कमिशनिंग के समय को 100 दिन से घटाकर 80 दिन किया जाएगा। इस नई विधि से अब तक अपनाई जाने वाली कमीशनिंग प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव आया है और इससे इस इकाई के शीघ्र परिचालन/सिंक्रोनाईजेशन में सहायता मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि उत्तरी करनपुरा परियोजना में सफल सिद्ध हुई इस नई प्रक्रिया ने बीएचईएल द्वारा निष्पादित की जा रही अन्य परियोजनाओं में इसे अपनाए जाने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। कंपनी ने वर्ष 2020 को परिवर्तन का वर्ष घोषित किया है। बीएचईएल ने दीर्घकालिक ईपीसी उत्कृष्टता प्राप्त करने सहित विभिन्न पहलें की है और यह उपलब्धि इस दिशा में एक नया कदम है।

बीएचईएल का सुपरक्रिटिकल टर्बाइन विनिर्माण में एक विश्वसनीय ट्रैक रिकॉर्ड है। कंपनी ने 660 मेगावाट, 700 मेगावाट और 800 मेगावाट रेटिंग के 19 टर्बाइन पैकेजों को तथा 23 बॉयलर पैकेजों को सफलतापूर्वक कमीशन किया है। बीएचईएल ने अब तक 58 बॉयलरों और 53 टर्बाइन पैकेजों का अनुबंध किया है, जिनमें से कई ईपीसी आधारित हैं, जो किसी भी घरेलू विद्युत संयंत्र उपकरण विनिर्माता कंपनी द्वारा सर्वाधिक है।